

## पाठ 45

1. क्या परमेश्वर ने जकर्याह और इलीशिबा को एक पुत्र देने के अपने वादे को पूरा किया?

-हां।

2. जकर्याह को कैसे पता चला कि उद्धारकर्ता आएगा और लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाएगा?

-क्योंकि जकर्याह ने परमेश्वर की पुस्तक में पढ़ा कि परमेश्वर ने उद्धारकर्ता को भेजने का वादा किया था।

3. जकर्याह के पुत्र यूहन्ना को क्या काम करना था?

-यूहन्ना उसके लिए रास्ता तैयार करने के लिए प्रभु के सामने जाएगा।

4. यह प्रभु कौन था, जिसके आगे यूहन्ना मार्ग तैयार करने जाता था?

-यीशु, उद्धारकर्ता परमेश्वर।

5. कैसे आने वाला उद्धारकर्ता उगते सूरज की तरह है?

-जैसे सुबह का सूरज बहुत अंधेरी रात के बाद रोशनी देता है, वैसे ही उद्धारकर्ता शैतान के अंधेरे के बाद रोशनी देने आएगा।

6. दुनिया में कितने सूरज हैं?

-केवल एक।

7. परमेश्वर ने कितने उद्धारकर्ताओं को भेजने का वादा किया था?

-केवल एक।

-कई साल पहले, परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक और याकूब से वादा किया था कि वह उनके वंशजों के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजेगा।

-अब, कई वर्षों के बाद, परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक और याकूब के वंशजों के माध्यम से उद्धारकर्ता को भेजने के अपने वादे को पूरा किया।

आइए पढ़ें मत्ती 1:1-2

1-इब्राहीम के पुत्र दाऊद के पुत्र यीशु मसीह की वंशावली का एक अभिलेख:

2-इब्राहीम इसहाक का पिता, इसहाक याकूब का पिता, याकूब यहूदा का पिता और उसके भाई थे।

-यीशु किस लाइन से उतरे?

-इब्राहीम, इसहाक और याकूब के वंश से।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, यीशु को अब्राहम, इसहाक और याकूब का वंशज होना था।

-परमेश्वर अपने वादों को कभी नहीं तोड़ते।

-परमेश्वर हमेशा अपने वादे रखता है।

-किस यहूदी राजा के वंश से यीशु भी उतरा?

-राजा दाऊद की वंशावली से।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, यीशु को राजा दाऊद का वंशज होना था।

-परमेश्वर अपने वादों को कभी नहीं तोड़ते।

-परमेश्वर हमेशा अपने वादे रखता है।

-यीशु का दूसरा नाम मसीह था।

-यीशु के नाम "मसीह" का क्या अर्थ है?

-"मसीह" नाम का अर्थ पैगंबर, पुजारी और राजा है।

- "मसीह" नाम का अर्थ पैगंबर है।

-यिेशु को परमेश्वर ने सबसे महान भविष्यवक्ता बनने के लिए भेजा था।

-यीेशु सबसे महान भविष्यवक्ता क्यों होंगे?

-क्योंकि यीेशु सबसे महान संदेश, स्वयं परमेश्वर के वचनों को बताएगा।

-यिेशु को सबसे बड़ा नबी बनने के लिए परमेश्वर ने भेजा था जो सबसे बड़ा संदेश सुनाएगा।

-"मसीह" नाम का अर्थ पुजारी भी होता है।

-यिेशु को परमेश्वर ने सबसे बड़ा पुजारी बनने के लिए भेजा था।

-यीेशु सबसे बड़ा पुजारी क्यों होगा?

-क्योंकि यीेशु सबसे बड़ा बलिदान देंगे।

-यिेशु को सबसे बड़ा पुजारी बनने के लिए परमेश्वर ने भेजा था जो सबसे बड़ा बलिदान देगा।

- "मसीह" नाम का अर्थ राजा भी होता है।

- यीशु को परमेश्वर ने राजा दाऊद के वंशज के रूप में राजा के रूप में शासन करने के लिए भेजा था।

- यीशु को परमेश्वर ने सबसे महान राजा बनने के लिए भेजा था।

- यीशु सबसे महान राजा क्यों होंगे?

- क्योंकि यीशु का राज्य हमेशा के लिए रहेगा।

- यीशु को परमेश्वर ने सबसे महान राजा बनने के लिए भेजा था जो हमेशा के लिए राज्य करेगा।

- केवल यीशु मसीह को परमेश्वर ने उद्धारकर्ता होने का वादा किया था।

- केवल यीशु मसीह को परमेश्वर द्वारा लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाने का वादा किया गया था।

- परमेश्वर ने मरियम को यह बताने के लिए एक दूत भेजा कि वह उद्धारकर्ता को जन्म देगी।

- लेकिन मरियम को यूसुफ नाम के एक आदमी से शादी करने का वादा किया गया था।

-यहाँ थी समस्या:

-मरियम कुंवारी थी और उसने यूसुफ से शादी करने का वादा किया था, लेकिन वह बच्चे के साथ थी।

-चूंकि यूसुफ की अभी तक मरियम से शादी नहीं हुई थी, इसलिए उसका अभी तक उससे कोई संबंध नहीं था।

-क्योंकि मरियम बच्चे के साथ थी, यूसुफ ने क्या सोचा?

-यूसुफ ने सोचा कि मरियम का किसी दूसरे आदमी से मिलन हो गया है।

-इसलिए जोसेफ ने सोचा कि वह मरियम को तलाक दे देंगे।

आइए पढ़ें मत्ती 1:18-19

18-इस प्रकार यीशु मसीह का जन्म हुआ: उसकी माता मरियम को यूसुफ से विवाह करने का वचन दिया गया था, लेकिन उनके एक साथ आने से पहले, वह पवित्र आत्मा के माध्यम से बच्चे के साथ पाई गई थी।

19-क्योंकि उसका पति यूसुफ एक धर्मी पुरुष था और उसे सार्वजनिक रूप से बदनाम नहीं करना चाहता था, उसने उसे चुपचाप तलाक देने का मन बना लिया।

-क्या मरियम का किसी पुरुष से मिलन था?

-नहीं।

-फिर मरियम बच्चे के साथ कैसे हो गई?

-परमेश्वर पवित्र आत्मा ने एक चमत्कार किया, और मरियम बच्चे के साथ हो गई।

-मरियम के गर्भ में जो बच्चा था, वह उद्धारकर्ता परमेश्वर था।

-परमेश्वर नहीं चाहते थे कि यूसुफ मरियम को तलाक दे।

-इसलिए, परमेश्वर ने एक स्वर्गदूत को सपने में यूसुफ से बात करने के लिए भेजा।

आइए पढ़ें मत्ती 1:20-21

20-परन्तु जब यूसुफ ने यह सोच लिया, तब यहोवा का एक दूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया, और कहा, हे दाऊद के पुत्र यूसुफ, मरियम को अपक्की पत्नी होने के लिये घर ले जाने से मत डर; पवित्र आत्मा।

21-वह एक पुत्र को जन्म देगी, और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपनी प्रजा को उनके पापों से बचाएगा।”

-स्वर्गदूत ने यूसुफ से स्वप्न में क्या कहा?

-देवदूत ने कहा कि मरियम के पास एक बच्चा था क्योंकि परमेश्वर पवित्र आत्मा ने एक चमत्कार किया था।

-देवदूत ने कहा कि मरियम का बच्चा परमेश्वर उद्धारकर्ता था।

-देवदूत ने कहा कि यूसुफ को मरियम को अपनी पत्नी के रूप में लेना था।

-देवदूत ने यह भी कहा कि यूसुफ को मरियम के बच्चे का नाम यीशु रखना था।

-यीशु को हम लोगों को बचाने के लिए इस दुनिया में जन्म लेना था।

-यीशु हमें पाप की शक्ति से बचाने के लिए आए।



-यीशु हमें मृत्यु की शक्ति से बचाने के लिए आए।

-यीशु हमें शैतान की शक्ति से बचाने के लिए आया था।

आइए पढ़ें मत्ती 1:22-23

22-यह सब इसलिये हुआ कि यहोवा ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा जो कहा था, वह पूरा हो:

23-"कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसे इम्मानुएल कहेंगे" - जिसका अर्थ है, "परमेश्वर हमारे साथ।"

-भविष्यद्वक्ताओं ने कहा कि उद्धारकर्ता एक कुंवारी से पैदा होगा।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, यीशु को एक कुंवारी से जन्म लेना था।

-क्योंकि यीशु परमेश्वर थे, उनके कई नाम होने थे।

-यीशु का दूसरा नाम इम्मानुएल था।

-"इमैनुएल" नाम का क्या अर्थ है?

-इमैनुएल नाम का अर्थ है "परमेश्वर हमारे साथ।"

-यीशु को इम्मानुएल क्यों कहा जाना था?

-क्योंकि यीशु हमारे साथ रहने के लिए आने वाले उद्धारकर्ता परमेश्वर थे।

-मरियम का बच्चा जो पैदा होना था, वह उद्धारकर्ता परमेश्वर यीशु होगा, जो हमारे साथ रहने के लिए स्वर्ग से आया था।

-जब यूसुफ अपने सपने से जागा तो उसने क्या किया?

आइए पढ़ें मती 1:24-25

24-जब यूसुफ जाग उठा, तो उसने वही किया जो यहोवा के दूत ने उसे आज्ञा दी थी, और मरियम को अपनी पत्नी के रूप में अपने घर ले गया।

25-परन्तु उस ने उस से तब तक कोई मेल न रखा, जब तक कि उस ने एक पुत्र को जन्म न दिया। और उसने उसका नाम यीशु रखा।

-यूसुफ ने उसकी बात मानी जो परमेश्वर ने स्वर्गदूत के माध्यम से उससे कहा था।

-यूसुफ मरियम को अपनी पत्नी के रूप में घर ले गया।

-लेकिन यूसुफ का मरियम के साथ तब तक कोई संबंध नहीं था जब तक कि उसने अपने बेटे को जन्म नहीं दिया।

-अगले पाठ में हम यीशु के जन्म के बारे में जानेंगे।